केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 149 रविवार 22 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

कुवैत में बोले पीएम मोदी: किसी प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गये

कुवैत (आभा)। कुवैत में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, मेरे लिए यह पल बहुत खास है। चार दशक से भी ज्यादा समय यानी 43 साल बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री कुवैत आया है। हिंदुस्तान से यहां आने में चार घंटे लगते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री को यहां आने में चार दशक लग गए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत, दुनिया के उन पहले देशों में से एक है, जिसने कुवैत की स्वतंत्रता के बाद उसे मान्यता दी थी। इसलिए जिस देश से, जिस समाज से इतनी सारी यादें जुड़ी हैं... वहां आना मेरे लिए बहुत यादगार है। मैं कुवैत के लोगों और यहां की सरकार का बहुत आभारी हूं।

पीएम मोदी ने कहा, कुवैत के प्रसिद्ध व्यापारी अब्दुल लतीफ अल–अब्दुल रज्जाक की किताब 'हाउ टू कैल्कुलेट पर्ल वेट' मुंबई में छपी थी। कुवैत के बहुत सारे व्यापारियों ने निर्यात और आयात के लिए मुंबई, कोलकाता, पोरबंदर और गोवा में अपने कार्यालय खोले हैं। कुवैत के बहुत सारे परिवार आज भी मुंबई की मोहम्मद अली गली में रहते हैं। बहुत सारे लोगों को यह जानकर हैरानी होगी कि 60–65 साल पहले कुवैत में भारतीय रुपये वैसे ही चलते थे, जैसे भारत में चलते हैं। यानी यहां किसी दुकान में कुछ खरीदने पर भारतीय रुपये ही स्वीकार किए जाते थे। तब भारतीय मुद्रा की जो शब्दावली थी, जैसे रुपया, पैसा, आना, ये भी कुवैत के लोगों के लिए बहुत सामान्य था।

प्रधानमंत्री ने कहा, गुजरात में तो हम बड़े–बुजुर्गों से सुनते आए हैं कि पिछली शताब्दियों में कुवैत से कैसे लोगों का व्यापारी–कारोबारियों का आना–जाना रहता था। खासतौर पर 19वीं शताब्दी में ही कुवैत से व्यापारी सूरत आने लगे थे। तब सूरत कुवैत के मोतियों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार हुआ करता था। सूरत हो या पोरबंदर हो, गुजरात के बंदरगाह इन पुराने संबंधों के साधी हैं। कुवैती व्यापारियों ने गुजराती भाषा में अनेक किताबें भी प्रकाशित की हैं। गुजरात के बाद कुवैत के व्यापारियों ने मुंबई और दूसरे बाजारों में भी अलग पहचान बनाई थी।

प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, भारत और कुवैत का रिश्ता सभ्यताओं का है। सागर का है। स्नेह का है। व्यापार का है। भारत और कुवैत अरब सागर के दो किनारों पर बसे हैं। हमें सिर्फ डिप्लोमेसी ने ही नहीं, बल्कि दिलों ने आपस में जोड़ा है। हमारा वर्तमान ही नहीं, बल्कि हमारा अतीत भी हमें जोड़ता है। एक समय था जब कुवैत से मोती, खजूर और शानदार नस्ल के घोड़े भारत जाते थे और भारत से भी बहुत सारा सामान यहां आता रहा। भारत के चावल, चाय, मसाले, कपड़े, लकड़ी यहां आती थी। भारत की नावों में सवार होकर कुवैत की नाविक लंबी यात्रा करते थे। कुवैत के मोती भारत के लिए किसी हीरे से कम नहीं रहे हैं। आज भारत की ज्वैलरी की पूरी दुनिया में धूम है, तो उसमें कुवैत के मोतियों का भी योगदान है।

रामायण और महाभारत अरबी भाषा में भी प्रकाशित हुए हैं। पुस्तक के प्रकाशक अब्दुल्ला लतीफ अलनेसेफ और रामायण–महाभारत को अरबी में अनुवाद करने वाले अब्दुल्ला बैरन ने कुवैत सिटी में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। तलीफ अलनेसेफ ने कहा, मैं बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए सम्मान की बात है। पीएम मोदी इससे बहुत खुश हुए। ये पुस्तकें बहुत महमत्वपूर्ण हैं। उन्होंने (पीएम मोदी) दोनों पुस्तकों पर हस्ताक्षर किए।

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कुवैत पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। यह 43 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा है और यह यात्रा निसंदेह विभिन्न क्षेत्रों में भारत–कुवैत दोस्ती को मजबूत करेगी।

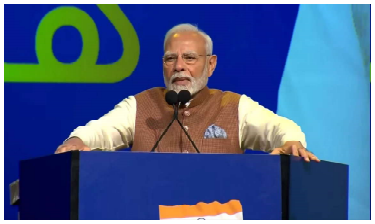

इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों से जुड़े नियम बदले जाने पर चुनाव आयोग पर भड़की कांग्रेस

नई दिल्ली (आभा)। कांग्रेस ने कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए नियम में बदलाव किए जाने को लेकर शनिवार को निर्वाचन आयोग पर निशाना साधा और कहा कि उसके इस कदम को जल्द ही कानूनी रूप से चुनौती दी जाएगी। पार्टी महासचिव जयराम ने यह सवाल भी किया कि आयोग पारदर्शिता से इतना डरता क्यों है? सरकार ने सीसीटीवी कैमरे और वेबकास्टिंग फुटेज के साथ–साथ उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण को रोकने के लिए चुनाव से संबंधित नियम में बदलाव किया है, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके।

निर्वाचन आयोग (ईसी) की सिफारिश के आधार पर, केंद्रीय कानून मंत्रालय ने सार्वजनिक निरीक्षण के लिए रखे जाने वाले ष्कागजातष या दस्तावेजों के प्रकार को प्रतिबंधित करने के लिए चुनाव संचालन नियमावली, 1961 के नियम 93 में संशोधन किया है। रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ष्हाल के दिनों में भारत के निर्वाचन आयोग द्वारा क्रियान्वित की जाने वाली चुनावी प्रक्रिया में तेजी से कम होती सत्यनिष्ठा से संबंधित हमारे दावों का जो सबसे स्पष्ट प्रमाण सामने आया है, वह यही है।'

उनके अनुसार, पारदर्शिता और खुलापन भ्रष्टाचार और अनैतिक कार्यों को उजागर करने और उन्हें खघ्त्म करने में सबसे अधिक मददगार होते हैं और जानकारी इस प्रक्रिया में विश्वास बहाल करती है। उन्होंने कहा, ष्पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय ने इस तर्क पर सहमति व्यक्त करते हुए निर्वाचन आयोग को सभी जानकारी साझा करने का निर्देश दिया। ऐसा जनता के साथ करना कानूनी रूप से आवश्यक भी है।ष कांग्रेस महासचिव ने कहा कि निर्वाचन आयोग अदालती फैसले का अनुपालन करने के बजाय, कानून में संशोधन करने में जल्दबाजी करता है।

भाजपा विधायक हरीश शाक्य समेत 16 पर गैंगरेप और कब्जेदारी का मुकदमा

बदायू (आभा)। यूपी के बदायूं में भाजपा विधायक हरीश शाक्य, उनके भाई समेत 16 लोगों पर गैंगरेप और जमीन कब्जाने का मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस ने विशेष न्यायालय एमपी–एमएलए कोर्ट व अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लीलू चौधरी की अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज किया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने पीड़ित ललित कुमार की याचिका आदेश पर बिल्सी विधायक और उनके द्वारा बनाये गये गैंग (समूह) पर मुकदमा लिखकर विवेचना शुरू कर दी है। विशेष न्यायालय एमपी–एमएलए कोर्ट व अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लीलू चौधरी की अदालत ने 11 दिसंबर को सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस को ललित कुमार की याचिका पर आदेश दिया था। जिसके क्रम में सिविल लाइंस कोतवाली पुलिस ने अभियोजन कार्यालय से कानूनी सलाह लेने के बाद शनिवार को भाजपा बिल्सी विधायक हरीश शाक्य व उनके दोनों भाई, भतीजे सहित 16 लोगों पर गैंगरेप, जमीन कब्जाने, हत्या की साजिश, हत्या जैसे मुकदमें में झूठा फंसाना सहित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

11 दिसंबर को अदालत के आदेश के अनुसार याचिका में ललित कुमार ने कहा था कि उसकी बुधवाई रोड पर पूनम लॉन के पास जमीन है। जमीन मां और दादी के नाम खरीदी गई थी और बाद में दादी चंद्रकली ने वसीयत पीड़ित के पिता ओमप्रकाश के नाम कर दी थी।

एक नजर

खण्ड विकास अधिकारी से मनरेगा में फर्जी हाजिरी लगाने की शिकायत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद के सल्टौआ विकास खण्ड के रुद्रपुर ग्राम पंचायत के निवासी रामनाथ पुत्र राजाराम ने खण्ड विकास अधिकारी अनिल कुमार यादव से ग्राम पंचायत में मनरेगा में फर्जी हाजिरी लगाने की शिकायत की है।

शिकायत कर्ता ने कहा कि ग्राम पंचायत के रुद्रपुर के राजस्व गांव रुद्रपुर में अंबेडकर पार्क एवं शमशान घाट पर मिट्टी कार्य हो रहा है लेकिन मौके पे मनरेगा मजदूरों को काम न देकर मशीनों द्वारा काम कराया जा रहा है जो मनरेगा के नियम के खिलाफ है । शिकायतकर्ता ने नियमानुसार कार्यवाही को मांग की है।

पांच माह बाद कब्र से निकाला युवक का शव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध हाल में मौत के मामले में कोर्ट के आदेश पर हत्या का केस दर्ज किया गया है। इसी प्रकरण में साक्ष्य संकलन के लिए पुलिस ने शव को कब्र से निकालकर पीएम कराने की अनुमति डीएम से मांगी थी।

डीएम के आदेश पर मूड़घाट में दफन युवक के शव को नायब तहसीलदार की मौजूदगी में निकलवा कर पीएम के लिए भेजा। थानाध्यक्ष महेश सिंह ने बताया कि युवक के पिता ने बेटे को जहर देकर मार डालने की आशंका जताई है। इसके आधार पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार गत 31 जुलाई को पुरानी बस्ती क्षेत्र के नरहरिया का रहने वाला अमर (20) भाटिया गली के नाले में मृत अवस्था में मिला था। उस समय परिजनों ने पीएम कराने के बजाय शव को दफन कर दिया था। बाद में मृत युवक के पिता ने तीन लोगों पर जहर देकर बेटे की हत्या करने का आरोप लगाया था। प्रकरण में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने आरोपी शेरू, दीपू और वीरू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था।

इस प्रकरण की छानबीन पुलिस ने शुरू की। शुक्रवार को डीएम के आदेश पर फोरेंसिक टीम के साथ कब्र पर पहुंची। टीम ने साक्ष्य जुटाने के साथ ही मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव को कब्र से निकालकर पीएम को भेज दिया। साथ ही शव के अवशेष को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भी भेजा जाएगा।

24 वाहन सीज, 38 का चालान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में मंडलायुक्त के सख्त रवैये के बाद परिवहन विभाग के अधिकारी सक्रिय नजर आए। विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन प्रवर्तन की कार्रवाई की गई। मंडलायुक्त ने बैठक में सख्त निर्देश दिया है कि जनपद में कोई भी वाहन बिना वैध प्रपत्रों के विषेषकर बिना फिटनेस एवं बिना बीमा के संचालित नहीं होना चाहिए। इसके लिए अधिक से अधिक प्रवर्तन कार्रवाई की जाए।

निर्देश के क्रम में थाना लालगंज में बिना फिटनेस के पांच वाहन, थाना नगर में दो वाहन एवं थाना मुण्डेरवा में दो वाहनों को सीज किया गया। फिटनेस समाप्त वाहनों के प्रति सघन प्रवर्तन की कार्रवाई के ही क्रम में थाना कप्तानगंज में 10 छोटे–बड़े वाहनों के साथ–साथ फुटहिया चौकी पर दो वाहनों को सीज किया गया। कप्तानगंज में सड़कों पर फर्राटा भर रहे अव्यावसायिक ट्रैक्टर–ट्रालियों जिस पर 3000 से ऊपर ईंट लदी थी उन्हें भी कप्तानगंज थाने में सीज किया गया।इन पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। 38 वाहनों पर अन्य अभियोगों टैक्स बकाया, बिना रिफ्लेक्टर, इंश्योरेंस समाप्त, प्रदूषण समाप्त, अधिक ऊंचाई तक गन्ने का परिवहन किया जाना एवं बिना हेलमेट लगाए वाहन का संचालन किए जाने के विरूद्ध कार्रवाई की गई।एआरटीओ पंकज सिंह ने बताया कि समस्त व्यवसायिक वाहन स्वामियों से कहा जा रहा है कि वह अपने वाहनों के प्रपत्रों की जांच करा लें ।

कीर्तन व जयकारों से गूंजी सुगर मिल व स्टेशन रोड

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा की अगुवाई में शनिवार की सुबह गुरु तेग बहादुर जी महाराज के बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में जयकारों के साथ प्रभातफेरी निकाली गई। गुरुद्वारा से सुगर मिल रोड, स्टेशन रोड पर पंजाब लाज तक गई। वहां निशान साहब का माला पहनाकर स्वागत किया गया। वापस त्रिपाठी मार्केट होते हुए गुरुद्वारा पहुंची अरदास के बाद यात्रा को विश्राम दिया गया। इस दौरान शबद कीर्तन व जयकारों से शहर गूंजता रहा।

सिख धर्म के नवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज के शहीदी बलिदान दिवस पर निकाली जा रही प्रभात फेरी शनिवार को प्रातः 6रू00 बजे गुरुद्वारा से शुरू हुई। बैंक चौराहा होते हुए सुमर मिल तिराहा पहुंची। तितौवा तिराहा, स्टेशन रोड पर भजन कीर्तन करते पंजाब लॉज पहुंची। वहां प्रोपराइटर सरदार त्रिलोचन सिंह ने निशान साहेब पर माला पहनकर प्रभात फेरी का स्वागत किया। संगतों को चाय नाश्ते का लंगर कराया गया। रास्ते में सभी श्रद्धालु गुरु तेग बहादुर सिमरिया, तेरी सेवा तेरी सेवा मुकत मुकत मुकत तेरी सेवा, जयकारा सारे पंथ का धन्य श्री गुरु ग्रंथ का, के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान हो गया। प्रभात फेरी वापस आकर गुरुद्वारा पहुंची। वहां पर अरदास के बाद समापन हुआ।

प्रभात फेरी में प्रीतपाल सिंह, मनप्रीत सिंह, सतविंदर पाल सिंह, गुरुद्वारा के अध्यक्ष सरदार अजीत सिंह, रणजीत सिंह, दलजीत सिंह, हरप्रीत सिंह, अमरजीत सिंह, देवेंद्र सिंह, राजेंद्र कौर, जगमीत कौर, गुंजा कौर, बलबीर कौर, परमजीत कौर, बलवंत कौर सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

सीएम योगी ने पिकनिक मनाने आए स्कूली बच्चों को बुलाया, मिलाया हाथ

संवाददाता–गोरखपुर। अनुशासित शासन व्यवस्था के लिए देश–दुनिया में सुप्रसिद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यक्तित्व का एक खास पहलू है, बाल प्रेम। देश के भविष्य के बीच सीएम योगी, वर्तमान के अपने निजी व्यस्तता में भी समय निकाल ही लेते हैं। प्रोटोकॉल से इतर मुलाकात, प्यार–दुलार, आशीर्वाद के बीच बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी बातें करना उन्हें आत्मीय संतोष देता है। तभी तो कानून व्यवस्था को लेकर सख्त छवि वाले मुख्यमंत्री से मिलकर बच्चे चहक उठते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाल प्रेम और बच्चों के साथ परस्पर जुड़ाव की अनुभूति का एक दृश्य शनिवार दोपहर बाद गोरखपुर सर्किट हाउस परिसर में जीवंत हुआ। सीएम योगी आजीविका मिशन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गोरखपुर आए। इसे लेकर शनिवार को गोरखपुर सर्किट हाउस परिसर के हेलिपैड पर प्रोटोकॉल और सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद थी। इसी बीच जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर यहां लैंड हुआ, परिसर से सटे और एक बंद गेट से उस पार पड़ने वाले आंबेडकर पार्क में पिकनिक मनाने आए स्कूली बच्चों का उत्साह और उल्लास आसमान छूने लगा। हवा में लहराते सैकडों बच्चों के हाथ देख और बालकंठ से समवेत गुंजित अभिवादन की आवाज सुन सीएम योगी पहले से तय कार्यक्रम स्थल (योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह) जाने की बजाय मुस्कुराते हुए बच्चों के पास पहुंच गए। फिर शुरू हुआ वही सिलसिला जो मुख्यमंत्री को अलहदा बनाती है। बाल प्रेम, बच्चों के लिए प्रोटोकॉल से बेपरवाह। आंबेडकर पार्क के बंद गेट के पास बच्चों को प्यार–दुलार, खूब पढ़ने का आशीष तो जमकर हंसी ठिठोली भी। अकस्मात इस आत्मीय मुलाकात–संवाद के बीच बंद गेट से कई बच्चों ने मुख्यमंत्री की तरफ हाथ बढ़ा दिया और सीएम योगी ने भी बिना पल गंवाए अभिभावक सरीखे होकर उनके हाथ थाम लिए।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में 12 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को तहसील रूधौली सभागार में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र लेकर आने वाले शिकायतकर्ता की विभिन्न समस्याओं को जिलाधिकारी ने सुना और संबंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जनसमस्याओं का निराकरण समयान्तर्गत व गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाय। जिलाधिकारी ने जनसमस्याओं के दौरान अधिकारियों से यह भी कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता को संतुष्टि भी मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के सख्त निर्देश है कि भूमि विवाद के मामलों को शीघ्रता से निस्तारण किया जाय। उन्होने यह भी कहा कि जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने प्रार्थना पत्रों की सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया है कि विभाग से संबंधित शिकायतों को गम्भीरता से सुने और त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

उप जिलाधिकारी शाहिद अहमद ने बताया कि कुल 68 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ, जिसमें से 12 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व के 39, विकास के 07, पुलिस के 06, विद्युत के 06, पूर्ति के 03, पंचायत व समाज कल्याण के 2–2, नगरपंचायत के 01 तथा चकबन्दी व पीडब्ल्यूडी के 1–1 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, पीडी राजेश कुमार, सीवीओ डा. राजेश त्रिपाठी, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, डीपीआरओ रतन कुमार, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण व तहसीलदार उपस्थित रहें।

बाबा साहब के अपमान के विरोध में समाजवादियों ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने सपा जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के नेतृत्व में शनिवार को प्रदर्शन करते हुये जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में कहा गया है कि बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर पर की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह देश से माफी मांगे। मांग किया कि उन्हें मंत्रिमण्डल से हटाया जाय।

–गृह मंत्री अमित शाह देश से माफी मांगे– महेन्द्रनाथ यादव

ज्ञापन के बाद सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, विधायक राजेन्द्र चौधरी, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, सपा नेता चन्द्रभूषण मिश्र, दयाशंकर मिश्र, ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी से भाजपा का सच सामने आ गया है। बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर गरीबों, दलितों, वंचितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों के मसीहा है और अपनों में महामानव की तरह से पूजे जाते हैं। उन्होने शिक्षित हो, संगठित बनो और संघर्ष करो का नारा देकर गरीबों को जगाने का काम किया। उनका अपमान स्वीकार्य नही है। कहा कि गृह मंत्री अमित शाह देश से माफी मांगे और उन्हें मंत्रिमण्डल से हटाया जाय।

जिलाधिकारी कार्यालय पर ज्ञापन सौंपने वालों में मो. स्वालेह, विजय विक्रम आर्य, मो. सलीम, सुरेन्द्र सिंह 'छोटे', समीर चौधरी, राम सिंह यादव, राजेन्द्र चौधरी, जर्सी यादव, शैलेन्द्र दूबे, बैजनाथ शर्मा, अरविन्द सोनकर, दीपक आर्य, राहुल सोनकर, विशाल सोनकर, भोला पाण्डेय, प्रशान्त यादव, आर.डी. निषाद, पंकज निषाद, राहुल सिंह, रामशंकर निराला, मंशाराम कन्नौजिया, गुलाब सोनकर, रामचन्द्र यादव, अजीत सिंह, गुलाम गौस, अरविन्द यादव, संजय गौतम, दिनेश तिवारी, अखिलेश, अजय, रजनीश, धीरसेन निषाद, कक्कू शुक्ला, चन्द्र प्रकाश चौधरी, घनश्याम यादव, मधुबन यादव, गौरीशंकर यादव, युनूस आलम, अकबर अली, देवनाथ यादव, हरेश्याम विश्वकर्मा, इन्द्रावती शुक्ला, गीता भारती, विन्ध्वासिनी, राधा देवी, मालती देवी, गुड़िया, मालती देवी, राजमती, सोनमती के साथ ही हजारों की संख्या में सपा नेता, कार्यकर्ता शामिल रहे।

उद्योगों के प्रोत्साहन के लिये कार्यशाला में दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजनान्तर्गत मालवीय रोड, स्थित एक मैरेज हाल में वृहद कार्यशाला का आयोजन जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, बस्ती द्वारा कराया गया। उपायुक्त उद्योग हरेन्द्र प्रताप यादव की अध्यक्षता में मण्डल स्तरीय कार्यशाला का शुभारम्भ किया गया तथा उनके द्वारा प्रतिभागियों को योजना की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी एवं योजनान्तर्गत लाभ प्राप्त करने तथा स्वयं का रोजगार स्थापित करने का आह्वान किया गया। कार्यशाला में जनपद बस्ती के 250, संतकबीर नगर के 50 एवं सिद्धार्थनगर के 50 लाभार्थियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

उपायुक्त उद्योग संतकबीर नगर राजकुमार शर्मा द्वारा प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की विस्तृत जानकारी दी गयी एवं योजना के प्रारम्भ करने के उद्देश्य से अवगत कराया गया। प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए उनके द्वारा बताया गया कि योजना का उद्देश्य अधिकाधिक निवेश एवं रोजगार के अवसर उत्पन्न करना है। योजनान्तर्गत जनपद बस्ती, संतकबीर नगर एवं सिद्धार्थनगर में वित्तीय वर्ष 2024–25 में कुल 3500 व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाना है, जिसका लाभ प्रतिभागी प्राप्त कर सकते है।

लखनऊ से कार्यशाला में जुड़े टीम सदस्य डॉ. अमित सिन्हा एवं प्रखर मिश्रा द्वारा कार्यशाला में 300 बिजनेस मॉडल के बारे में जानकारी प्रदान करते हुए दोना पत्तल मशीन, जूस पैकिंग, आटा चक्की एवं शुगर कैण्डी मशीनो के लाइव डेमो को भी दिखाया गया एवं योजना की विस्तृत जानकारी पी0पी0टी0 के माध्यम से दी गयी। उनके द्वारा प्रतिभागियों से संवाद भी किया गया एवं प्रश्नोत्तर भी किया गया। कार्यशाला में वित्तीय संस्थानो द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा विशेष रूचि दिखायी गयी।

कार्यशाला में मुख्य प्रबन्धक, जिला अग्रणी बैंक आर0के0 मौर्या, जिला समन्वयक भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बड़ौदा उ0प्र0 ग्रामीण बैंक, इण्डियन बैंक, बैंक आफ महाराष्ट्रा, बैंक आफ बड़ौदा, मृत्युंजय मिश्र निदेशक आरसेटी एवं मण्डल के तीनो जनपदो के उद्योग विभाग के अधिकारी एवं कार्मिका की भी गरिमामयी उपस्थिति रही तथा जनपद के औद्योगिक संगठनो के पदाधिकारीगण भी उपस्थित रहे। अन्त में समस्त प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए वृहद कार्यशाला का समापन किया गया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 दिसम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

सांसदों की धक्का–मुक्की

जब देश की नई संसद में सदन की कार्रवाई शुरू हुई, तो विश्वास था कि देश में संसदीय मर्यादाओं को नई गरिमा मिलेगी। लेकिन हाल ही में संपन्न शीतकालीन सत्र के दौरान हुए हंगामे ने देश के आम जनमानस को गहरे तक निराश ही किया। सड़क पर सांसदों की धक्का–मुक्की और आरोप–प्रत्यारोपों ने उन मतदाताओं को ठेस पहुंचायी, जिन्होंने उन्हें अपने प्रतिनिधि के रूप में चुना था। आरोप–प्रत्यारोप तो सांसदों की पुरानी परंपरा रही है, लेकिन इस बार तो बात धक्का–मुक्की से लेकर थाने तक जा पहुंची। ऐसे में सवाल किया जा सकता है कि जब हमारे माननीयों का व्यवहार ऐसा होगा तो आम आदमी से क्या उम्मीद की जा सकती है। दरअसल, महाराष्ट्र चुनाव में करारी शिकस्त से पस्त विपक्ष सरकार पर हमले के लिये मुद्दे की तलाश में था। उन्हें मुद्दा खुद गृहमंत्री अमित शाह ने दे दिया। संविधान के रचयिताओं में अग्रणी डॉ. बी.आर. अंबेडकर के बारे में शाह की टिप्पणी के बाद एनडीए और इंडिया गठबंधन के सांसदों के बीच आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला कालांतर टकराव में बदल गया। निश्चय ही राजनेताओं के व्यवहार से देश–विदेश में कोई अच्छा संदेश नहीं गया। जिन सांसदों के हाथ में कानून की गरिमा बनाये रखने की जिम्मेदारी है, वे हाथ ही धक्का–मुक्की में लिप्त होने लगे। जो जनप्रतिनिधियों की कथनी–करनी के अंतर को ही दर्शाता है। सही मायनों में यह मतदाताओं का भी अपमान है जिन्होंने उन्हें चुनकर संसद में भेजा है। निस्संदेह, जब अमित शाह ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का नाम जपना एक फैशन बन गया तो ऐसा करके उन्होंने अपना कद कदापि नहीं बढ़ाया। इस तरह उन्होंने संविधान के जनक को एक अनावश्यक विवाद में घसीट लिया। महाराष्ट्र चुनाव में पराजय के बाद खस्ता हाल में आये विपक्ष को इस विवाद ने राजग पर एकजुट हो हमलावर होने का अवसर दे दिया है। विपक्ष ने भी मुद्दे को तुरंत लपक लिया। लेकिन इस तरह के विवाद को असंसदीय ही कहा जाएगा।

कालांतर में स्थिति यहां तक पहुंच गई कि शाह की बयानबाजी के बचाव में खुद प्रधानमंत्री को उतरना पड़ा। उन्होंने कांग्रेस पर राजनीतिक स्वार्थ के लिये दुर्भावनापूर्ण झूठ का सहारा लेने का आरोप भी लगाया। निस्संदेह, डॉ. बी.आर. अंबेडकर एक ऐसे राष्ट्रीय प्रतीक हैं, जिनकी गरिमा को कोई भी राजनीतिक पार्टी नजरअंदाज नहीं कर सकती। यह स्पष्ट ही है कि राजनीतिक लाभ के लिए दोनों प्रमुख पार्टियां उनकी विरासत पर कब्जा करने को यह खेल खेल रही हैं। उनका अमर्यादित व्यवहार इस स्थिति को और गंभीर बना देता है। विडंबना ही है कि ये स्थितियां तब पैदा हुईं जब देश संविधान को अपनाने के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी समारोह आयोजित कर रहा था। दुनिया को यह बताने का प्रयास कर रहा था कि लोकतंत्र, न्याय और समानता की कसौटी पर यह जीवंत दस्तावेज खरा उतरा है। निस्संदेह, इस बात में दो राय नहीं हो सकती कि संविधान के आदर्शों को बनाये रखना सभी सांसदों की सामूहिक जिम्मेदारी है। उनकी प्राथमिकता सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की होनी चाहिए, न कि आरोप–प्रत्यारोप व टकराव की सीमाएं लांघने की। वे कम से कम लोकतंत्र के मंदिर की मर्यादा और गरिमा को बनाये रखने का दायित्व तो निभा ही सकते हैं। यदि ऐसा न हुआ तो लोकतंत्र का यह मंदिर प्रहसन के रंगमंच में बदल जाएगा। साथ ही भारत के विश्व गुरु व विश्व बंधुत्व के नारे में भी कोई तार्किकता नहीं रह जाएगी। आज देश बेरोजगारी, महंगाई तथा विकास से जुड़ी तमाम समस्याओं से जूझ रहा है। ऐसे विवादों से तो मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकता है। जबकि जनप्रतिनिधियों की प्राथमिकता जन कल्याण के रास्ते तलाशना होना चाहिए। निश्चित रूप से देश–दुनिया में इस विशालतम लोकतंत्र की कारगुजारियों का अच्छा संदेश तो कदापि नहीं जाएगा। हमारे जनप्रतिनिधियों को सोचना चाहिए कि जनता के करों के पैसे से चलने वाले सदन ने शीतकालीन सत्र में क्या हासिल किया। निश्चित रूप से इस सत्र के दौरान होने वाले अप्रिय विवादों से देश–दुनिया में कोई अच्छा संदेश तो कदापि नहीं गया है।

किसके लिए लड़ रहे हैं दलित

–प्रियंका सौरभ–

सरकार ने महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 जैसी पहल की है। इसने अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने के लिए पंच तीर्थ स्थलों का निर्माण करके दलितों की गरिमा पर जोर दिया। ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य दलितों सहित हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना है। हाल के वर्षों में भाजपा में दलितों का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ा है। इन प्रयासों के बावजूद, जाति–आधारित भेदभाव जारी है, जिसमें दलित व्यक्ति पर पेशाब करने जैसी घटनाएँ शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल, जैसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम और पंच तीर्थ स्थलों का उद्देश्य दलितों के सम्मान और विमर्श को ऊपर उठाना है। भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर दलित नेताओं को अभूतपूर्व रूप से शामिल किया है। अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को अपनाने में निहित है, न कि केवल उनका नाम जपने या उनकी छवि का आह्वान करने में। बाबासाहेब अंबेडकर एक पूजनीय व्यक्ति बने हुए हैं, जो दलितों की सम्मान और समानता की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं। उनकी विरासत दलितों से आगे तक फैली हुई है, जो भेदभाव और राष्ट्र निर्माण पर व्यापक चर्चाओं को प्रभावित करती है।

बाबासाहेब अम्बेडकर की विरासत पर चल रहा राजनीतिक विवाद, इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे राजनेता, विशेष रूप से प्रमुख जातियों के, जाति–आधारित भेदभाव को सम्बोधित किए बिना इसका शोषण करते हैं। यह इस बात पर जोर देता है कि दलित केवल पहचान के लिए नहीं, बल्कि सम्मान, समानता और अवसरों के लिए लड़ते हैं और राष्ट्र के लिए अम्बेडकर के दृष्टिकोण पर जोर देते हैं। गृह मंत्री अमित शाह द्वारा अम्बेडकर के समर्थकों द्वारा ष्ईश्वर की गलत खोजष के बारे में हाल ही में की गई टिप्पणियों ने आधुनिक भारत में जाति व्यवस्था की निरंतरता पर चर्चाओं को फिर से हवा दे दी है। इन टिप्पणियों ने इस बात पर बहस छेड़ दी है कि क्या वे जाति–आधारित भेदभाव के खिलाफ दशकों से चल रही सक्रियता को कमजोर करती हैं। बी.आर. अम्बेडकर के विचार और दृष्टिकोण अत्यधिक प्रासंगिक बने हुए हैं, जो न केवल दलितों के लिए बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। अम्बेडकर के सिद्धांतों को चुनिंदा रूप से अपनाना और हाशिए पर पड़े समूहों से सम्बंधित मुद्दों पर अपर्याप्त ध्यान उनके मिशन के सार को कमजोर करता है। अम्बेडकर को देवता बनाने की प्रथा सामाजिक परिवर्तन और दलित समुदाय को सशक्त बनाने में उनके अपार योगदान में निहित है।

राजनेता, जिनमें से अधिकांश प्रमुख जातियों से हैं, जातिगत भेदभाव को सम्बोधित किए बिना अंबेडकर की विरासत पर बहस कर रहे हैं। कांग्रेस ने ऐतिहासिक रूप से अंबेडकर की पहल का विरोध किया, आरक्षण और मंडल आयोग की सिफारिशों का विरोध किया। पार्टी ने जातिगत वास्तविकताओं को सम्बोधित करने के बजाय दलितों को एक गरीब वर्ग (षारीब जनताष) के रूप में माना। बजट आवंटन के बावजूद दलितों को अभी भी शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जो 50–60 साल पहले की तरह ही है। अंबेडकर की विरासत पर संसद की बहस प्रमुख जाति के राजनेताओं के बीच जातिगत प्रवचन की सतहीता को उजागर करती है। बुलंद बयानबाजी के बावजूद, जाति–आधारित भेदभाव प्रणालीगत बना हुआ है, जिसका सबूत दलितों के खिलाफ हिंसा जैसी चल रही घटनाओं से मिलता है। दलितों के मुद्दों को उठाने में इंडिया ब्लॉक की तीव्रता हाशिए पर पड़े समूहों के संघर्षों की वास्तविक समझ की कमी के विपरीत है। सरकार ने महिला सशक्तीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 जैसी पहल की है। इसने अंबेडकर की विरासत का सम्मान करने के लिए पंच तीर्थ स्थलों का निर्माण करके दलितों की गरिमा पर जोर दिया। ज्ञान (गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी) जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य दलितों सहित हाशिए पर पड़े समूहों को सशक्त बनाना है। हाल के वर्षों में भाजपा में दलितों का प्रतिनिधित्व काफी बढ़ा है। इन प्रयासों के बावजूद, जाति–आधारित भेदभाव जारी है, जिसमें दलित व्यक्ति पर पेशाब करने जैसी घटनाएँ शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल, जैसे नारी शक्ति वंदन अधिनियम और पंच तीर्थ स्थलों का उद्देश्य दलितों के सम्मान और विमर्श को ऊपर उठाना है। भाजपा ने राष्ट्रीय स्तर पर दलित नेताओं को अभूतपूर्व रूप से शामिल किया है।

अंबेडकर के विचार दलितों से परे हैं, जो सभी हाशिए पर पड़े समूहों के लिए भेदभाव और असमानता का समाधान प्रस्तुत करते हैं। ध्यान अस्तित्व से हटकर समान अवसर और शासन और प्रशासन में प्रतिनिधित्व की आकांक्षाओं पर केंद्रित हो गया है। अंबेडकर के प्रति सच्ची श्रद्धा राष्ट्र के लिए उनके दृष्टिकोण को अपनाने में निहित है, न कि केवल उनका नाम जपने या उनकी छवि का आह्वान करने में। बाबासाहेब अंबेडकर एक पूजनीय व्यक्ति बने हुए हैं, जो दलितों की सम्मान और समानता की आकांक्षाओं के केंद्र में हैं। उनकी विरासत दलितों से आगे तक फैली हुई है, जो भेदभाव और राष्ट्र निर्माण पर व्यापक चर्चाओं को प्रभावित करती है। दलित केवल पहचान की राजनीति से परे समान अवसर, शासन में समानता और अपनी आकांक्षाओं के लिए सम्मान चाहते हैं। उनका संघर्ष आकांक्षा और राष्ट्रीय समावेशिता के व्यापक विषयों को शामिल करता है। दलित पहचान के संकट से नहीं जूझ रहे हैंय उनका संघर्ष सम्मान, मान्यता, अवसर और समानता पर केंद्रित है। अंबेडकर से लेकर कांशीराम, मायावती और रामविलास पासवान जैसे नेताओं तक, दलित आंदोलन लचीलेपन और आकांक्षाओं की विरासत पर आधारित है। दशकों से तुष्टिकरण की राजनीति ने दलितों को वंचित रखा है, कुछ लाभ प्रदान किए हैं जबकि समानता की उनकी आकांक्षाओं को दबा दिया है।

अंबेडकर की विरासत पर बहस आधुनिक भारत में जातिगत भेदभाव की निरंतरता को रेखांकित करती है। जाति मानव समानता और सम्मान के साथ सबसे महत्त्वपूर्ण विश्वासघात बनी हुई है, जो सच्ची सामाजिक प्रगति में बाधा डालती है। जाति–आधारित पूर्वाग्रहों को चुनौती देने और समुदायों में आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के लिए अभियानों और शैक्षिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करें। भेदभाव विरोधी कानूनों को लागू करें और जाति–आधारित हिंसा और असमानता के लिए कठोर दंड का प्रावधान करें। दलितों और अन्य हाशिए के समूहों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और रोजगार के अवसरों तक पहुँच का विस्तार करें। सामूहिक गौरव को प्रेरित करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर अंबेडकर जैसे दलित नेताओं के योगदान को पहचानें और उनका सम्मान करें। शिकायतों को दूर करने और विश्वास बनाने के लिए समुदायों के बीच खुली चर्चा की सुविधा प्रदान करें। राजनीतिक नेताओं से विभाजनकारी बयानबाजी से बचने और सामाजिक न्याय के लिए नीतियों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करें। समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए शासन, शिक्षा और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में दलितों का प्रतिनिधित्व बढ़ाएँ। हाशिए के समुदायों के भीतर समानता और सम्मान की वकालत करने वाली स्थानीय पहलों का समर्थन करें।

एक साथ चुनाव की आकांक्षा

–अशोक लवासा–

बेशक 'एक देश–एक चुनाव' की व्यवस्था के कई फायदे हैं लेकिन दशकभर बाद लागू होने वाले इस कानून को लेकर सत्तापक्ष की जल्दबाजी 'दिलचस्प' है। क्या चुनाव कराने में दक्षता से महत्वपूर्ण और मुद्दे देश के सामने नहीं हैं। यूं भी सरकार के पक्ष में या खिलाफ मतदान का अधिकार लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व है। मौजूदा व्यवस्था में भी इतनी तो लोच है कि चुनाव आयोग कुछ इलेक्शन एक साथ करवा सकता है।

मतदाता और निर्वाचित प्रतिनिधि के बीच संबंध मांग और आपूर्ति जैसा है। लोकतंत्र में जनता द्वारा चुनकर आए प्रतिनिधि वोटर की आकांक्षाओं की पूर्ति करने की दिशा में काम करते हैं। सत्तारूढ़ पार्टी जहां अपने चुनावी वादों पर अमल करने की कोशिश करती है वहीं कभी–कभी अपना वह दृष्टिकोण लागू करने को काम करती है, जो उसके हिसाब से लोगों और देश के लिए अच्छा है।

'एक राष्ट्र–एक चुनाव' का संकल्प भाजपा के चुनाव घोषणापत्र का हिस्सा तो हो सकता है, लेकिन समाज के किसी भी वर्ग द्वारा इसकी मांग नहीं की गई थी, हालांकि कुछ लोगों को लगता है कि भारत 'बहुत अधिक लोकतंत्र' से ग्रस्त है। किंतु, सत्तारूढ़ पार्टी 'एक देश–एक चुनाव' की खूबियों को लेकर काफी आश्वस्त है, यह उसके नेतृत्व द्वारा बार–बार किए दावों और जिस प्रकार का मसौदा राम नाथ कोविंद समिति बनाते वक्त सौंपा गया था, उससे स्पष्ट है। इसकी सिफारिशें पहले से तय निष्कर्ष हैं, लेकिन जिस तेजी से सरकार ने इस पर काम किया, उसने कई लोगों को चौंकाया। खंडित जनादेश से टिकी एनडीए सरकार से बहुत कम लोगों को उम्मीद थी कि वह इस मामले को इतनी शिद्दत से आगे बढ़ाएगी, खासकर जब इस पर कार्यान्वयन होना दूर की कौड़ी है।

एक व्यवस्था जो एक दशक बाद लागू होनी है, उस पर कानून बनाने की सरकार की जल्दबाजी वाली 'दूरदर्शिता' दिलचस्प है। साल 2024 के आम चुनाव से पहले महिला आरक्षण विधेयक (नारीशक्ति वंदन अधिनियम) पारित करने में इसी किस्म की तत्परता दिखाई थी। फर्क यह कि महिलाओं वाला विधेयक पारित करने में सभी पक्ष एकमत थे, वहीं 'एक देश–एक चुनाव' संबंधी 129वें संविधान संशोधक विधेयक की वांछनीयता पर मतभेद हैं। सरकार को विधेयक संयुक्त संसदीय समिति को भेजने में आपत्ति नहीं हुई क्योंकि उसे पता था इससे विपक्ष संतुष्ट होगा और उसकी अपनी खुली सोच झलकेगी। जल्दबाजी में विधेयक पारित करना उद्देश्य नहीं हो सकता, इसे पटल पर लाना और आम सहमति की संभावना खोलना मंतव्य है ताकि लगे कि वे 'बड़े' चुनावी सुधार पर विचार–विमर्श कर रहे हैं। लेकिन क्या ऐसा है?

संविधान में इस आशय का स्पष्ट प्रावधान हुए बिना, 1951 के बाद से, 15 वर्षों तक देशभर में चुनाव एक साथ होते रहे। लेकिन सत्ता राजनीति के उतार–चढ़ाव और गतिशीलता के कारण यह शृंखला टूट गई। किसी सरकार के पक्ष में या खिलाफ वोट का हक लोकतंत्र का अनिवार्य तत्व है। बेशक यह विधेयक सत्तारूढ़ पार्टी को दिया समर्थन वापस लेने का हक नहीं छीनता, लेकिन मतदाताओं को ऐसी सरकार चुनने का 'हक' देता है, जो बीच कार्यकाल सदन में बहुमत खोने के बावजूद बाकी अवधि के लिए राज करती रहे। इस प्रकार, एक निवर्तमान निर्वाचित शासन सीमित अवधि के लिए आगामी निर्वाचित विकल्प हेतु मार्ग प्रशस्त करेगा।

इस तरह, सब चुनाव एक साथ करने के शौक में मतदाता पांच साल में एक बार खेलने को ऐसी टीम (सरकार) चुनेंगे जिसके मुख्य खिलाड़ी (सरकार) चोटिल होने (बहुमत खोने) के बावजूद वह एक्सट्रा या नाइटवॉचमैन के रूप में शासन करती रहे। इस प्रकार, उपचुनाव में किसी संसद या विधानसभा सदस्य को चुनने के लिए जो प्रणाली अब लागू है, तब वह मध्यावधि चुनाव की स्थिति बनने पर पूरे सदन के लिए लागू हो जाएगी।

सांसद इस पर विचार कर सकते हैं कि क्या लोगों के अधिकारों को ऐसे तोड़ना–मरोड़ना लोकतंत्र का चरित्र हनन नहीं? यह द्वैत बनाने से क्या हासिल होगा? क्या एक साथ चुनाव इतना पवित्र उद्देश्य है या फिर लोकतांत्रिक विकल्प प्रदान करने वाले मौलिक सिद्धांत को प्रबंधकीय दक्षता बनाने के अधीन बना दिया जाए? कानून निर्माताओं की समझ की परीक्षा हो रही है। आखिरकार, संविधान निर्माताओं ने एक साथ चुनाव कराने का प्रावधान नहीं किया और किसी आपातकालीन स्थिति की अनिवार्यताओं से निबटने के लिए, संवैधानिक ढांचे के भीतर रहते हुए, इस पर निर्णय का काम भारत के चुनाव आयोग पर छोड़ दिया।

कोई भी व्यक्ति एक लघु, त्वरित, एकल पूर्वानुमानित प्रक्रिया दृ खासकर जब इसमें एक अरब लोग शामिल हों दृ के लाभों पर किंतु–परंतु नहीं कर सकता। चुनाव कराना नियमित लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, लेकिन यह यूपीएससी परीक्षा की तरह नहीं, जो एक तय कार्यक्रमानुसार, साल में एक बार सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। प्रशासनिक दक्षता वांछनीय है और ऐसे तरीके हो सकते हैं जिनसे चुनाव संचालन कम वक्त खपाऊ और कम मानव संसाधन इस्तेमाल करने वाला बन सके। अर्धसैनिक बलों पर अत्यधिक निर्भरता, जिनकी उपलब्धता का वास्ता देकर चुनाव आयोग लंबी अवधि चलने वाला बहु–चरणीय चुनाव करवाना मजबूरी गिनाता आया है, हमारी राजनीति की अस्थिर प्रकृति के कारण है। मौजूदा कानून चुनाव आयोग को किसी भी सदन का कार्यकाल समाप्त होने से छह माह पहले चुनाव कराने का अधिकार देता है, जिससे उसे कुशल प्रबंधन के लिए कुछ चुनाव एक साथ कराने में कुछ लचीलापन मिल जाता है। हालांकि, हालिया उदाहरण हैं कि चुनाव आयोग ने उन चुनावों को भी अलग–अलग करवाने का विकल्प चुना, जिन्हें आसानी से एक साथ करवा सकता था। स्पष्टतया, एक साथ चुनाव लागू करवाने पर दिखाई जाने वाली जल्दबाजी के पीछे सिद्धांत कम और मनमानी ज्यादा है।

यह तथाकथित सुधार संसद में पारित हो या न हो, अब समय है कि सरकार और राजनीतिक दल पैसा, अपराध, जाति, समुदाय, चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी, उम्मीदवारों की अयोग्यता और चुनाव खर्च सीमा तय करने जैसे मुद्दों संबंधी ठोस चुनावी सुधारों को आगे बढ़ाएं,जिनका सुझाव चुनाव आयोग ने भी दिया है और लंबित हैं। एक साथ चुनाव करवाने का उद्देश्य चुनावों पर सरकारी खर्च कम करना बताया जा रहा है, लेकिन चुनावों में काले धन का इस्तेमाल रोकने और राजनीतिक फंडिंग के पारदर्शी तरीके खोजने के बारे में क्या? नया विधेयक तथाकथित सुधारों के जरिये इन पर ध्यान केंद्रित करने को नहीं कह रहा। सनद रहे, आदर्श आचार संहिता केवल एक निश्चित श्रेणी के सार्वजनिक व्यय पर रोक लगाती है, ताकि सत्तारूढ़ दल को सरकारी संसाधन खर्च कर अनुचित लाभ न मिले। हैरानी यह कि सत्तारूढ़ दल प्रमुख नीतिगत निर्णय लेने को चुनावों से ऐन पहले तक इंतजार क्यों करते रहते हैं और फिर उन्हें 'शासन में बाधा डालने वाला' कहते हैं।

इससे आगे, किसी भी राज्य में चुनाव के मुद्दे उस सूबे के मतदाताओं और राजनीतिक नेताओं से संबंधित होते हैं, इनका असर न दूसरे राज्यों के मतदाता पर होता है और न केंद्र सरकार पर, जब तक कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व खुद प्रचार करने में न लग जाए और स्थानीय नेतृत्व को राज्य–स्तरीय मुहिम का प्रबंधन करने से वंचित कर दे। क्या एक साथ चुनाव से निर्वाचित स्थानीय निकायों पर ध्यान गौण हो जाएगा और यह बात उन्हें स्थानीय वोटर्स का प्रभावी प्रतिनिधि बनाने के बजाय, अपने केंद्रीय नेतृत्व का बेनाम प्रतिनिधि बना देगी? चुनावों का कुशल संचालन होना संतुष्टि का स्रोत है, लेकिन लोकतंत्र को इससे कहीं अधिक की आवश्यकता है। जिस प्रकार सांसद दूर भविष्य में चुनाव संचालन और अधिक कुशल बनाने के मुद्दे पर बहस में कीमती वक्त खर्च कर रहे हैं, उसकी जगह वे यहीं और अभी से लोगों को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर ध्यान दें। राजधानी में वायु गुणवत्ता खतरनाक है, खासकर संसद के बाहर, भूजल का गिरता स्तर, नदियों का प्रदूषण, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं की दयनीय स्थिति और पर्यावरण का क्षरण सरकार के लिए अधिक तात्कालिक और दबावपूर्ण मुद्दे हैं और इन पर भी एक साथ चुनाव जितना ही ध्यान देने की आवश्यकता है।

भारत के नागरिक मताधिकार का बार–बार प्रयोग करके नहीं थके , लेकिन वे एक सभ्य जीवन जीने की आकांक्षाएं पूरी होने की प्रतीक्षा करते–करते थक चुके हैं।–लेखक पूर्व चुनाव आयुक्त हैं।

भाजपा के खिलाफ एकजुट विपक्ष

–राहिल नोरा चोपड़ा–

कांग्रेस की महत्वपूर्ण चुनावी हार के मद्देनजर, सहयोगी दल सत्ता समीकरणों को फिर से बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पार्टी से गठबंधन में अपनी नेतृत्वकारी भूमिका को सही ठहराने के लिए कहा है, न कि इसे हल्के में लेने के लिए। जबकि टी.एम.सी. प्रमुख ममता बनर्जी ने इस पद को हासिल करने के लिए कदम बढ़ाया है और शरद पवार और लालू प्रसाद जैसे क्षत्रपों का समर्थन प्राप्त कर 'इंडिया' ब्लॉक का नेतृत्व किया है। समाजवादी पार्टी ने भी यू.पी. उप–चुनावों में अपनी ताकत दिखाई है और अब उसने दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनावों में अरविंद केजरीवाल का समर्थन करने का फैसला किया है, जिन्हें कांग्रेस चुनौती दे रही है। उद्धव ठाकरे ने हिंदुत्व विचारक और स्वतंत्रता सेनानी सावरकर के लिए भारत रत्न की मांग की। उनकी हिंदुत्व साख को पुनरू प्राप्त करने का प्रयास राहुल गांधी के सावरकर के खिलाफ लगातार अभियान के बिल्कुल विपरीत है। कांग्रेस ने अडानी विवाद जैसे मुद्दों पर सहयोगियों के साथ खुद को अलग पाया है, जिसमें टी.एम.सी. और सपा ने भी उसका साथ दिया है।

विपक्ष ने पार्टी लाइन से हटकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। उन पर राज्यसभा में अपने बयान में डा. बी.आर. आंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा और आर.एस.एस.पर आंबेडकर के योगदान को कमतर आंकने का आरोप लगाया। जबकि 'आप' सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने तेदेपा प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखे। दोनों भाजपा के प्रमुख सहयोगी हैं। केजरीवाल ने शाह पर 'लाखों लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने' का आरोप लगाया और दोनों नेताओं से भाजपा के साथ अपने गठबंधन पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया। शाह के बयानों को सुर्खियों में रखकर, उन्होंने प्रभावी रूप से भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में लाने के लिए मजबूर कर दिया है, जो संसद में दुर्लभ है जहां सत्तारूढ़ दल अक्सर बहस की शर्तें तय करता है। एक बार फिर विपक्ष भाजपा के खिलाफ एकजुट दिखाई दिया है।

2027 के यू.पी. विधानसभा चुनावों की तैयारी में जुटी कांग्रेस रू कांग्रेस द्वारा राज्य कार्यकारिणी, जिला, शहर और ब्लॉक इकाइयों को भंग करने का फैसला पार्टी संगठन को नए सिरे से खड़ा करने के लिए जरूरी पहला कदम है, ताकि इसे 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए तैयार किया जा सके। कांग्रेस को उम्मीद है कि इससे उसकी मौजूदगी बढ़ेगी और गठबंधन की बातचीत में अहम भूमिका भी निभाएगी। पार्टी यह भी चाहती है कि भविष्य में सहयोगियों के साथ बातचीत के दौरान अलग–अलग मजबूत सीटों पर अपने नेताओं को आगे बढ़ाने के लिए और जगह मिल सके। चर्चा है कि कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष अजय राय, जिन्हें प्रियंका गांधी की आंख और कान माना जाता है, को पदोन्नत कर ए.आई.सी.सी. में भेजा जाएगा। राय भूमिहार जाति से आते हैं, जो पूर्वी यू.पी. में एक छोटी आबादी है, जिसका मुश्किल से 5 संसदीय क्षेत्रों में प्रभाव है। चर्चा है कि गांधी परिवार के बेहद भरोसेमंद सहयोगी और अमेठी से सांसद के.एल. शर्मा को यू.पी. कांग्रेस का नया अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है। किशोरी लाल शर्मा 1984–85 से गांधी परिवार के लिए अमेठी के मामलों का प्रबंधन कर रहे हैं, जिससे उन्हें यू.पी. कांग्रेस की पूरी समझ है। इसके अलावा, उन्होंने नई दिल्ली में महादेव रोड पर एक कार्यालय स्थापित किया है, जहां यू.पी. कांग्रेस के शिकायतकर्त्ता अक्सर आते हैं। शर्मा सोनिया गांधी, राहुल और प्रियंका गांधी तक उनकी समस्याओं को पहुंचाने का काम करते हैं।

मासूम से दरिंदगी के बाद हत्या केस में छह महीने में आया फैसला, कोर्ट ने दरिंदे को सुनाई मृत्युदंड की सजा

संवाददाता–गोण्डा। विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट ने चार वर्ष की मासूम बच्ची से दुष्कर्म के बाद बेरहमी से हत्यारे सौतेले पिता को मृत्युदंड की सजा सुनाई है। साथ ही 50 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया है। कोर्ट ने आरोप पत्र दाखिल होने के महज छह माह के अंदर फैसला सुनाकर इतिहास रच दिया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम फत्तेपुर के रहने वाले विष्णु गुप्ता उर्फ तिन्ने ने थाने में केस दर्ज कराया कि वह शराब के ठेके के पास पानी पकौड़ी बेचता है। 21 जून 2024 का शाम चार बजे साधू के भेष में एक व्यक्ति रेलवे लाइन के किनारे बैठकर शराब पी रहा था उसके साथ एक चार साल की बच्ची भी थी।

उसने बताया कि वह उसकी लड़की है। रात नौ बजे सूचना मिली के कटरा रेलवे स्टेशन के पास बाग में एक बच्ची का शव मिला है। शव को देखने से लगता है कि बच्ची को उसी बाबा ने पटक–पटक कर मार डाला है। विवेचना में साक्ष्य मिलने पर पुलिस ने मध्य प्रदेश में दतिया जिले के सेंवड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम जौरीताल के निवासी विश्वनाथ वंशकार को गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया। छह जुलाई 2024 को अपराध का संज्ञान लेकर पॉक्सो कोर्ट ने विचारण की कार्यवाही शुरु की। अभियोजन पक्ष ने वादी, मृतका की मां समेत 10 गवाहों को अदालत में पेश किया। ट्रायल के दौरान पेश किए गए संदेह से परे साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी अभियुक्त विश्वनाथ वंशकार को दोषी करार दिया।

कोर्ट ने माना कि दोषी विश्वनाथ वंशकार द्वारा किया गया अपराध अत्यंत क्रूरतम और घृणित है। यह कृत्य विरल से विरलतम मामले के अंतर्गत आता है। शनिवार को इस मामले में विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट राजेश नारायण मणि त्रिपाठी ने दोषी अभियुक्त विश्वनाथ वंशकार को फांसी की सजा सुनाई। 50 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया।

कोर्ट ने कहा है कि मृत्युदंड के निष्पादन में दोषसिद्ध अपराधी विश्वनाथ वंशकार के गले में फंदा लगाकर तब तक लटकाया जाए जब तक कि उसकी मृत्यु न हो जाए। अदालत के आदेशानुसार अभियोपित अर्थदंड की आधही धनराशि मृतका की मां को दी जाएगी।

रसोई गैस से भरा टैंकर पलटा, अफरा–तफरी के बीच आवागमन ठप

संवाददाता–देवरिया। जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र में शनिवार की सुबह रसोई गैस से भरा एक टैंकर सड़क पर पलट गया। इसके चलते वहां अफरा– तकरीर मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने रास्ते से आवागमन बंद कर दिया। सुरक्षा को देखते हुए मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी बुला ली गई है। भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों को इसकी जानकारी दे दी गई है। कहीं कोई हादसा न हो इसे देखते हुए मौके पर पुलिसकर्मी भी तैनात कर दिए गए हैं। भारत पेट्रोलियम का एक टैंकर शनिवार की सुबह कोलकाता से रसोई गैस लेकर बैतालपुर डिपो पर आ रहा था। रुद्रपुर–कपरवार मार्ग पर कुसम्हा ईंट भट्ठे के समीप मोड़ पर चालक ने ब्रेक लिया तो पहिया जाम होने के चलते टैंकर सड़क किनारे पलट गया। टैंकर के पलटते ही वहां अफरा–तफरी मच गई। गनीमत था कि उस समय सड़क पर भीड़ नहीं थी। जो गाड़ियां जहां थी वहीं रुक गई।

टैंकर के चालक सरवर पुत्र शमसुल निवासी बजहां प्रतापगढ़ ने पुलिस और भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी। कुछ ही देर में मदनपुर के थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह घटनास्थल पर पहुंच गए। उन्होंने सड़क पर आवागमन बंद करा दिया और इसकी जानकारी फायर ब्रिगेड को दी। सूचना पर कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंच गई। कहीं कोई हादसा न हो इसे देखते हुए फायर कर्मी मौके पर तैनात हैं।

भारत पेट्रोलियम के अधिकारियों के आने की प्रतीक्षा की जा रही है। विभागीय इंजीनियर पहुंचने के बाद ही टैंकर को हटाने की कार्रवाई होगी। तब तक के लिए रुद्रपुर–कपरवार मार्ग पर आवागमन रोक दिया गया है। घटनास्थल पर पुलिसकर्मी भी लगा दिए गए हैं। मदनपुर के थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि कहीं कोई घबराने वाली बात नहीं है। सुरक्षा के तहत एहतियात बरते जा रहे हैं।

पेड़ से टकराई बाइक, तीन दोस्तों की मौत, एक की हालत नाजुक

संवाददाता–बहराइच। विशेश्वरगंज में इकौना मार्ग से मानगढ़ जाने वाले लिंक मार्ग पर शुक्रवार रात तेज रफ्तार बाइक पर सागौन के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण रही कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। बाइक पर सवार चार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को श्रावस्ती जिले की इकौना सीएचसी पहुंचाया। चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक इलाज कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। तीन घायलों की रास्ते में ही मौत हो गई। चौथे घायल को चिकित्सकों ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर किया गया है।

विशेश्वरगंज थाने के विशेश्वरगंज इकौना मार्ग पर धनुही से मानगढ़ लिंक मार्ग पर शुक्रवार रात लगभग दस बजे तेज रफ्तार बाइक भवानीपुर बनकट के मजरे मानगढ़ गांव के पास तीव्र मोड़ पर मुड़ते समय अनियंत्रित होकर सागौन के पेड़ में जा टकराई। जिससे बाइक सवार चार युवकों बुढ़नी भलुइया निवासी सरोज यादव पुत्र सहबू यादव, दीपक यादव पुत्र इंद्रजीत यादव, अमकोलवा निवासी 20 वर्षीय वैदिक कुमार उर्फ बंटी चौहान पुत्र गुरदास चौहान, जोकहा के चुम्मनदास कुट्टी निवासी 22 वर्षीय महेश चौहान पुत्र मतऊ चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए। यह चारों मानगढ़ गांव में एक मांगलिक कार्यक्रम में जा रहे थे। हादसे की जानकारी पर ग्रामीण दौड़े।

सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लोगों की मदद से घायलों को इकौना सीएचसी ले जाया गया। चिकित्सकों ने घायलों की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया ।रास्ते में ही सरोज, दीपक व वैदिक की मौत हो गई। जबकि महेश चौहान को चिकित्सकों ने लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

बीट बुक में दर्ज करें सक्रिय अपराधियों का विवरण–एसपी

संवाददाता–श्रावस्ती। कानून व्यवस्था मजबूत करने को लेकर पुलिस कार्यालय समागार में शनिवार को अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में पुलिस कर्मचारियों की समस्याएं जानी गई। साथ ही बेहतर कानून व्यवस्था स्थापित करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया के प्रतिसार निरीक्षक व थाना प्रभारियों को पुलिस कर्मियों के आवासीय परिसरों और बैरकों में साफ–सफाई, बिजली–पानी की ठीक व्यवस्था करने व पौष्टिक भोजन दिए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने बीट प्रणाली पर विशेष जोर देते हुए सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि बीट क्षेत्र किसी भी परिस्थिति में खाली न रहे। बीट बुक में सक्रिय अपराधियों का विवरण दर्ज कर उनकी नियमित निगरानी की जाए। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला बीट प्रणाली को सुदृढ़ बनाने, शक्ति दीदियों को नियमित रूप से क्षेत्र में भ्रमणशील रहने व महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा करने के निर्देश दिए। भारत नेपाल सीमा पर नियमित गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की जांच, मादक पदार्थ की तस्करी और कच्ची शराब की तस्करी पर सख्त कार्रवाई करने को निर्देशित किया। आगामी त्योहारों जैसे क्रिसमस, नववर्ष के मौके पर कार्यक्रमों व मकर संक्रांति तथा 26 जनवरी पर शांति व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक तैयारी करने का निर्देश दिया। इस मौके पर सीओ मिनगा संतोष कुमार, सीओ इकौना सतीश कुमार शर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अखिलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

गृह मंत्री शाह के बयान पर भड़के सपाई, किया प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डॉ. भीमराव आम्बेडकर पर दिए गए बयान का असर महराजगंज में भी देखने को मिला है। शनिवार को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। बाद में राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए केंद्रीय गृहमंत्री को मंत्रीमंडल से बाहर किए जाने की मांग की। सपाई शहर के नगर चौकी पर इकट्ठा हुए। जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश यादव, पूर्व दर्जा प्राप्त मंत्री सुशील टिबड़ेवाल, श्रवण पटेल, निर्मेष मंगल की अगुवाई में प्रदर्शन करते हुए जिला मुख्यालय पहुंचे। वहां धरना देकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आवाज बुलंद किया। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संसद में केंद्रीय मंत्री ने दलितों, पिछड़ों, गरीबों व वंचितों के भगवान डॉ. भीमराव आम्बेडकर के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर करोड़ों लोगों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया है। इससे लोगों को बहुत आघात पहुंचा है। उन्हें तत्काल बाहर किया जाना चाहिए। सुशील टिबड़ेवाल ने कहा कि भारतीय संविधान के साथ खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। पूर्व जिलाध्यक्ष राजेश यादव ने कहा कि सत्ता दल के बड़े नेता जनता विरोधी व संविधान विरोधी बयान दे रहे हैं। श्रवण पटेल ने कहा कि जो डॉ. भीमराव आम्बेडकर के बारे में गलत बयान दे सकता है, वह गरीबों, दलितों, वंचितों का कभी हो ही नहीं सकता। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष प्रणय गौतम, निर्मेष मंगल, राजू दुबे, प्रेम यादव, सुमन यादव, समसुद्दीन, अमरजीत साहनी, डॉ. शेषनाथ, कैलाश यादव, पारसनाथ यादव, यज्ञदत्त पासवान, राहुल शर्मा, हीरालाल आदि मौजूद रहे।

भाषण प्रतियोगिता में शिवांशी शुक्ला रहीं प्रथम

संवाददाता–श्रावस्ती। महामाया राजकीय महाविद्यालय श्रावस्ती में भारतरत्न पंडित अटल बिहारी बाजपेई की जयंती के उपलक्ष्य में जनपद स्तरीय विविध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें भाषण प्रतियोगिता में शिवांशी शुक्ला को प्रथम स्थान मिला। अतिथियों ने छात्राओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। 25 दिसंबर को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित अटल बिहारी बाजपेई की जयंती धूमधाम से मनायी जाएगी। इसके लिए स्कूलों में विभिन्न प्रतियोगिताएं कराई जा रही हैं। शनिवार को महामाया राजकीय महाविद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार गुप्ता जनपद स्तरीय नोडल उच्च शिक्षा श्रावस्ती एवं महामाया राजकीय महाविद्यालय श्रावस्ती के नेतृत्व में प्रतियोगिता तीन श्रेणियों में किया गया। भाषण, एकल काव्यपाठ एवं निबन्ध प्रतियोगिता के रूप में आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि एवं जनपद स्तर नोडल अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी अनुभव सिंह रहे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ आशुतोष मिश्र रहे। भाषण प्रतियोगिता में शिवांशी शुक्ला प्रथम स्थान पर रहीं। जबकि गौतम शुक्ल द्वितीय तथा अंजलि शुक्ला तृतीय स्थान पर रहीं। निबन्ध प्रतियोगिता में पूजा तिवारी प्रथम स्थान,अथर्व प्रताप मिश्रा द्वितीय स्थान और महक जायसवाल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी क्रम में एकल काव्यपाठ में सौरभ कुमार पाठक प्रथम स्थान, मोनिका शुक्ला द्वितीय स्थान और निहारिका को तृतीय स्थान मिला।

कब्र से खोदकर निकाला शव, दो दिन पहले विवाहित की हुई थी मौत

संवाददाता–महराजगंज। कोल्हुई क्षेत्र के डकही के टोला मंगलपुर में एक विवाहिता के मौत की घटना सामने आई है। जहां विवाहिता के मौत के दो दिन बाद पिता के आरोप के बाद शव को कब्र से बाहर निकाल कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पिता ने विवाहिता की हत्या पति समेत अन्य परिवारजनों पर लगाया है। परसामलिक थाना क्षेत्र के बरनहवां टोला चुड़िहारी निवासी मसूद ने पुलिस को पत्र दिया कि बेटी नायला की शादी जून माह में किया था। उसके बाद से ही पति व परिवार के लोग दहेज के लिए मारपीट करते थे। 18 दिसंबर को बेटी की तबियत खराब बता कर ससुराल के लोग फोन किए। बेटी के ससुराल पहुंचा तो उसकी मौत हो चुकी थी।

बेटी के मौत की खबर मिली तो अवाक रह गया। पति व उसके घर के लोग नायला का शव भी दफना दिए। घटना के दो दिन बाद पुलिस को तहरीर देकर ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। पिता की तहरीर के बाद नायब तहसीलदार अंकित कुमार की मौजूदगी में विवाहिता का कब्र से बाहर निकाला गया।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह के अनुसार, पिता की तहरीर पर पति समेत चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज मामले की जांच की जा रही है।बित कर दिखाया है। पूर्वांचल तो वैसे भी हरा भरा क्षेत्र है। यहां महिलाएं और बेहतर कर सकती हैं। काम की कमी नहीं है, बशर्ते इसक चयन सही हो।

डीआईजी ने इकौना समाधान दिवस में सुनीं शिकायतें

संवाददाता–श्रावस्ती। पुलिस उपमहानिरीक्षक देवीपाटन अमित पाठक शनिवार को इकौना पहुंचे और संपूर्ण समाधान में लोगों की शिकायतें सुनीं। इस दौरान शिकायतों का तय समय में निस्तारण का निर्देश दिया। अमित पाठक ने कहा कि शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में एक है जनशिकायतों का निस्तारण। इसलिए समयबद्ध तरीके से उनका निस्तारण किया जाय और फरियादियों को उसकी सूचना भी दी जाय। यदि सरकारी भूमि, रास्तों व चकमार्गों एवं पट्टेदारों के भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलती है तो राजस्व व पुलिस की टीम मौके पर जाकर अवैध कब्जा खाली कराया जाय। इस दौरान फरियादी पुत्तू लाल तिवारी पुत्र प्रेमनाथ तिवारी निवासी टंडवा महन्थ इकौना ने बताया कि उनके नाम से पात्र गृहस्थी राशनकार्ड बना हुआ है। जिसमें उनकी 05 वर्ष पहले विवाहित लड़की का नाम भी जुड़ा है। जिसे हटवाने के लिए उन्होंने जिलाधिकारी से फरियाद की। जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल जिला पूर्ति अधिकारी के माध्यम से उक्त प्रकरण की जांच कराकर तत्काल नाम हटवाने का निर्देश दिया। इसी तरह से राकेश कुमार पुत्र रामकुमार निवासी खर्चवीरान अकबरपुर इकौना ने बताया कि गोशाला से दो गायें पालने के लिए सरकार की ओर से अनुदान राशि एक साल से नहीं मिल रही है। इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को बुलाकर तुरन्त मौके पर ही प्रकरण का निस्तारण कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही मोहम्मद इलियास पुत्र नवाब अली ने शिकायत की कि उनकी बहू के नाम पात्र गृहस्थी राशनकार्ड है। जिसमें वह अपने पीत्र का नाम अंकित कराना चाहते है। जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को जांच कराकर अग्रिम कार्यवाही कराने का निर्देश दिया। सम्पूर्ण समाधान दिवस भिनगा में 20 शिकायतें मिलीं। जिसमें दो शिकायतों का निस्तारण किया गया। तहसील जमुनहा में कुल 47 शिकायतें मिलीं। जिसमें दो शिकायतों का निस्तारण किया गया।

तस्करी कर झोपड़ी में डम्प खाद की खेप पकड़ी गई

संवाददाता–श्रावस्ती। खाद से सरकारी समितियों के गोदाम भले ही खाली हों लेकिन सीमावर्ती इलाकों में खाद की कालाबाजारी धड़ल्ले से चल रही है। इस गोरख धंधे में लगे लोग पहले खाद को डम्प करते हैं। इसके बाद उसे सीमा पार पहुंचा देते हैं। एक बार फिर सीमा क्षेत्र से भारी मात्रा में खाद की खेप बरामद की गई है। सिरसिया थाना क्षेत्र के भारत नेपाल स्थित एसएसबी कैम्प सुइया के कार्यक्षेत्र स्थित हेमपुर गांव के बाहर एक झोपड़ी में खाद डम्प की गई थी। मुखबिर की सूचना पर शनिवार को एसएसबी व पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंच कर छापेमारी की और झोपड़ी से भारी मात्रा में यूरिया व अन्य सामग्री बरामद किया गया। टीम ने मौके से यूरिया 42 बोरी, डीएपी पांच बोरी, अनमोल माइक्रो सुपर 38 बैग, मेटागोप 220 पैकेट, क्लोडिनोफोप के 25 पैकेट बरामद कर जब्त जब्त कर लिया। जिसके बाद जब्त की गई सामग्री को कृषि विभाग श्रावस्ती को अग्रिम कार्यवाई के लिए सुपुर्द कर दिया गया। शासनादेश के अनुसार भारत नेपाल सीमा के पांच किलोमीटर के दायरे में न तो खाद गोदाम स्थापित किया जा सकता है और न ही खाद डम्प हो सकता है।

इसके बाद भी आए दिन सीमा क्षेत्र से खाद के खेप बरामद होते हैं। कुछ दिन पहले डीएम ने सीमा क्षेत्र के बघौड़ा में खाद गोदाम पकड़ा था। सूत्रों की माने तो खाद की कालाबाजारी करने वाले लोग जुगाड़ कर खाद को डम्प करते हैं। इसके बाद खाद को सीमा पार पहुंचा देते हैं। हेमपुर में भी पकड़ी गई खाद को नेपाल भेजे जाने की आशंका जताई जा रही है।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी में दो दिवसीय खेल महोत्सव का समापन, ब्लू हाउस रहा विजेता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती जिले के राजन इंटरनेशनल एकेडमी पचपेडिया में शनिवार को दो दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन शुक्रवार को पूर्व विधायक दिग्विजय नारायण उर्फ जय चौबे और डायरेक्टर राकेश चतुर्वेदी एवं प्रबंध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी ने मां सरस्वती और स्व. सूर्यनारायण चतुर्वेदी के प्रतिमा पर पुष्प अर्पित और दीप प्रज्वलन करके किया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्र–छात्राओं ने मार्चपास्ट किया। पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश चतुर्वेदी ने कहा कि खेलकूद प्रतियोगिता के आयोजन से छात्रों को आगे बढ़ने का आत्मबल मिलता है। साथ ही आगे बेहतर प्रदर्शन की ललक भी पैदा होती है। खेल के माध्यम से छात्र अपना जीवन संवार सकते है और क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन कर सकते हैं। उन्होंने कहा देश के नव निर्माण में खिलाड़ी छात्रों की भूमिका बेहद अहम है।

संस्थान के प्रिंसिपल शानू एंटोनी ने कहा कि संस्थान खिलाड़ी छात्रों के लिए हर संसाधन मुहैया कराएगा। पढ़ाई के साथ खेलकूद भी बेहद जरूरी है। खेल प्रतियोगिता से अनुशासन की भावना मजबूत होती है। इससे आपसी भाईचारा और मेल मिलाप भी बढ़ता है। खेलकूद प्रतियोगिता में दौड़, कबड्डी, वालीबाल, खो–खो, क्रिकेट, बैडमिंटन, साईकल रेस, सहित कई प्रकार के इवेंट का आयोजन होगा। बच्चों का जलेबी रेस, गुब्बारा रेस काफी आकर्षक रहा। येलो हाउस और ग्रीन हाउस के बीच हुए क्रिकेट मैच का दर्शकों द्वारा खूब आनंद लिया गया एवं खिलाड़ियों का प्रोत्साहन किया गया। कार्यकारी निदेशक संजीव पांडेय ने आये हुए अतिथियों का आभार ज्ञापित किया।

खेल के मध्य में अकादमी प्रबंधन द्वारा सभी बच्चों के लिए ड्राईफ्रूट युक्त दूध, समोसा, केला आदि खाने–पीने की व्यवस्था भी की गई जिसका सभी बच्चों ने खूब लुफ्त उठाया।

प्रतियोगिता चार हाउसों रेड, येलो, ग्रीन एवं ब्लू के बीच रही, जिसमे ब्लू हाउस को 169 पॉइंट प्रथम स्थान प्राप्त हुआ, 165 पॉइंट येलो को दूसरे स्थान पर, 154 पॉइंट लेकर ग्रीन हाउस तीसरे स्थान पर एवं 140 पॉइंट रेड चौथे स्थान पर रही।

कार्यक्रम का संचालन जितेंद्र यादव 'जीत' ने किया। कार्यक्रम में पुनीता पांडेय, रामनिरंजन गुप्ता, अभिषेक तिवारी, अनादी नाथ पांडे, प्रवीन मिश्रा, अखिलेश कुमार, सुमन दूबे, रेखा श्रीवास्तव, पूनम गुप्ता, प्रमिला शुक्ला, श्वेता त्रिपाठी, नीलम श्रीवास्तव, निशु उपाध्याय, शालिनी श्रीवास्तव,अन्नू, सुष्मिता मन्ना, सुष्मिता पाण्डेय, नेहा अबरोल, आकृति पाण्डेय, सौम्या पाण्डेय, जानवी शुक्ला, दीपांजलि, रीना पाण्डेय, नैन्सी वर्मा, आकृति साहू, आकृति पाण्डेय,तहजीब फातिमा, अर्चना पटेल,अर्चना द्विवेदी, रूपा जायसवाल, सुषमा गुप्ता, हर्षिका शुक्ला, फातिमा सिद्दीकी, रजनी श्रीवास्तव, फरहत फातिमा, शहनाज यूनुस, नलिनी गुप्ता, ज्योति पाण्डेय, माया सिंह, मनीषा गुप्ता, प्रभा त्रिपाठी, श्रद्धा पाण्डेय, शालिनी श्रीवास्तव, कोमल गुप्ता, आशीष कसौधन, प्रेरणा सिंह, प्रभात त्रिपाठी, साक्षी मिश्रा, दीपाली वर्मा, माया शुक्ला, सिमरन गुप्ता, शालिनी श्रीवास्तव, अभिशमी, वैदिका गुप्ता, शिक्षा बरनवाल, रिया दुबे, खदीजा परवीन, अंजलि चौरसिया, अमित मिश्रा, राम स्वरूप यादव, सौरभ पाण्डेय, अनूप पाण्डेय, रचित गुप्ता, मनजीत सिंह, संजय तिवारी, मोहम्मद सारिक, कुशाग्र मिश्रा, दीप कमल सिंह, गोपाल सिंह, किरण के विस्टन, ज्वैल थॉमस,शिवांश उपाध्याय, शुभम पटेल, रवि प्रकाश तिवारी, अभिषेक कुमार धर्मेंद्र तिवारी, गौतम प्रकाश, विकास कुमार चतुर्वेदी, अभय कुमार पाण्डेय सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाओं के साथ–साथ खेल के सभी कोच और ट्रेनर मौजूद रहे।

शरणागत रक्षक है भगवान श्री कृष्ण –जगतगुरु श्रीधराचार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। अशर्फी भवन में आयोजित विविध धार्मिक अनुष्ठानों में आज प्रातः दक्षिण से पधारे विद्वानों ने यज्ञ का आरंभ भगवान विश्वकसेन पूजन से किया 108 हवनिय द्रव्यों से विशेष आहुति प्रदान की गई अशरफी भवन के पीठाधीश्वर जगतगुरु महंत स्वामी श्री धराचार्य जी महाराज ने श्रीमद् भागवत का पाठ कर रहे सभी आचार्यों को गर्म वस्त्र एवं दक्षिण प्रदान की आज सायंकालीन सत्र में भगवान का कल्याण उत्सव मनाया जाएगा। महाराज ने कथा के मार्मिक प्रसंगों का श्रवण कराते हुए कहा भक्त वत्सल प्रभु माया रूपी पूतना को भी उत्तम गति प्रदान करते है। प्रभु श्री कृष्ण शिक्षा देते हैं व्यक्ति चाहे दुष्ट भाव से ही क्यों नहीं यदि मेरी शरण में आ जाता है तो प्रभु श्री कृष्ण का गुण है शरणागत रक्षक हैं,भगवान श्री कृष्ण के सभी संस्कार गर्गाचार्य जी यथा समय पूर्ण करते है बचपन से ही प्रभु श्री कृष्ण अनेकों राक्षसों का संहार करते हैं प्रभु माखन चोरी लीला के माध्यम से जन्म जन्मांतरों के पाप को चुराकर पुण्य उदित करने हेतु गोपियों के घर जाकर माखन चोरी लीला करते हैं प्रभु गोचारण करने वन में जाते हैं, गौ माता की सेवा नित्यप्रति करते हैं गाय संपूर्ण विश्व की माता है गो सेवा से ही गोविंद प्रसन्न होते हैं यमुना जी के विषाक्त जल को पवित्र करने के लिए कालिया नाग को प्रभु सरण में लेकर दूर भेज ते है ब्रज में प्रभु श्री कृष्ण के जन्म लेने से नित्य उत्सव मनाया जाते है।

प्रभु श्री कृष्ण का दर्शन पाकर सभी बृजवासी अपने को धन्य समझते है गिरिराज धरण की लीला के द्वारा प्रभु प्रकृति के पूजन का महत्व बताते हैं प्रभु श्री गोवर्धन पर्वत की पूजा सभी ब्रज वासियों से कराते हैं इंद्र सामंत मेघों के द्वारा ब्रज में घोर वृष्टि कराते हैं सभी ब्रजवासियों के देखते–देखते कनिष्का अंगुली में सात कोस लंबे चौड़े गिरिराज पर्वत को उठा लेते हैं घबराकर इंद्र प्रभु चरणों में शरणागति करते हैं शरण में आए इंद्र को प्रभु अपना लेते हैं गोवर्धन लीला का महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। भगवान को छप्पन भोग का प्रसाद लगाया गया, सभी भक्तजन कथा को सुनकर हर्ष का अनुभव कर रहे है।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद कुरुकुल सेवा संस्थान का पूरा हुआ संकल्प –एस एन शर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद 22 जनवरी को भगवान श्री राम लला अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए, तो देश की कोने कोने से भगवान श्री राम लला मंदिर के लिए किए गए संकल्प को पूरा करने के लिए नित्य लोग अयोध्या आ रहे है। प्राण प्रतिष्ठा को 1 वर्ष पूरे होने वाले हैं लेकिन अपने संकल्प को पूरा करने के लिए अयोध्या आ करके धार्मिक अनुष्ठान करने वालों की कमी नहीं हो रही। अनुष्ठान के इसी क्रम में राजस्थान जयपुर कुरुकुल सेवा संस्थान के द्वारा अयोध्या की जानकी महल ट्रस्ट में इस वर्ष 13वीं श्री राम कथा कराई गई और इस संस्थान के पदाधिकारी के द्वारा अब तक जयपुर में 108 श्री राम कथा कि श्रृंखला पूरी की जा चुकी है। संस्थान के अध्यक्ष डॉक्टर एस एन शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म प्रचार प्रसार के लिए, हम लोग पूरे भारत में निरंतर कार्य करते रहते हैं और हमारे संस्थान का और संस्थान से जुड़े सभी सनातनी प्रेमियों का यह संकल्प था कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद हम लोगों की पहली कथा प्रभु श्री राम की जन्मस्थली अयोध्या में हो। प्राण प्रतिष्ठा के बाद संस्थान से जुड़े लोगों ने कहा कि अब कोई कथा होगी तो वह अयोध्या में होगी। अयोध्या आए कहीं स्थान नहीं मिल रहा था क्योंकि अयोध्या में लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन आ रहे थे लेकिन श्री राम जी की कृपा हम सब पर हुई और हम सभी को स्थान मिल गया और प्राण प्रतिष्ठा के वश में कथा करने का संकल्प पूरा हुआ।

संस्थान के सचिव ताराचंद वर्मा ने बताया कि सनातन धर्म सभी धर्म का मूल है और इसका कितना विस्तार हो इसी उद्देश्य के साथ हम लोग सनातन धर्म का प्रचार करते रहते हैं अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के बाद कथा हुई सब लोग बहुत प्रसन्न हैं अयोध्या का बहुत विकास हो रहा है निश्चित रूप से योगी और मोदी का प्रशंसनीय कार्य है। कोषाध्यक्ष जुगल किशोर मंगल ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद संस्थान से जुड़े सभी सदस्य की यही इच्छा की 2024 में ही अयोध्या में हम लोग कथा सुन पूरी हुई अयोध्या का विकास देखकर के मन प्रसन्न हो गया और अभी भी कार्य चल रहा है जो आने वाले 25 वर्षों तक चलता रहेगा। संस्थान की संरक्षक संतोष देवी शर्मा ने बताया कि मैं बचपन से अयोध्या आ रही हूं, लेकिन भगवान श्री राम अपने जन्म स्थान पर विराजमान हुए , तो अयोध्या का वैभव पुनः लौट आया और अब अयोध्या त्रेता युग की अयोध्या लग रही है, अयोध्या को देखकर मन प्रसन्न हो गया और आने वाले समय में अयोध्या में लाखों लोग और आएंगे।

सीएम योगी ने कहा– हर महिला में है सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य 'सखियों और दीदीओं' को किया सम्मानित

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर महिला में सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य है। महिलाओं के लिए काम की भी कोई कमी नहीं है। जरूरत एक फील्ड का चयन कर उसके अनुरूप प्रशिक्षण लेकर खुद को तैयार करने और परिश्रम व पूरी तन्मयता से आगे बढ़ने की है। सीएम योगी शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) द्वारा संचालित श्री बाबा गोरखनाथ कृषा दुग्ध उत्पादक संस्था और इस संस्था द्वारा गोरखपुर मंडल के अंतर्गत सात दुग्ध अवशीतन केंद्रों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली वित्तुल सखियों, बीसी सखियों, लखपति दीदियों, नमो ड्रोन दीदियों और बैंक सखियों को प्रमाण पत्र वितरित करने के अलावा राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़ी 7405 महिला स्वयं सहायता समूहों को 242.30 करोड़ रुपये की सहायता राशि का हस्तांतरण भी किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी की उपेक्षा करके कोई भी समाज सशक्त और समर्थ नहीं हो सकता है। देश और समाज के विकास तथा इसे सशक्त और शक्तिशाली बनाने के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में कार्य करना ही होगा। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सफलता की सभी जय जयकार करते हैं और विफलता को दुत्कारते हैं। जन्म सफलता के लिए हुआ है, दुत्कारने के लिए नहीं। जब हम सही दिशा में अच्छा कार्य करेंगे तो सफलता के साथ सराहना भी मिलेगी। इसलिए सही दिशा में बढ़ें और कभी असफलता मिले तो उसकी समीक्षा कर कमियों को दूर करें। याद रखना होगा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है। सही दिशा में किए गए परिश्रम से ही सफलतम कहानियां लिखीं जाती हैं।

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन यानी नारी सशक्तिकरण का नया दौर शुरू हुआ है। बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना हो, नारी वंदन, या फिर प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना व मातृ वंदना योजना, ये सभी महिला सशक्तिकरण के लिए ही हैं। पहली बार स्वतंत्र भारत में महिलाओं को यह अनुभव हुआ कि उनके नाम पर योजनाएं बनी हैं और इसका लाभ भी उनको प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर बने शौचालय नारी गरिमा के प्रतीक हैं तो मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन नारी सम्मान और समर्थ नारी का अभियान। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि आगामी 27 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के 40 लाख परिवारों को पीएम स्वामित्व योजना के तहत घरौनी प्रमाण पत्र वितरित करेंगे। उन्होंने बताया कि इसके पहले प्रदेश के 60 लाख परिवारों को घरौनी प्रमाण पत्र दिया जा चुका है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आज लोकार्पित श्री बाबा गोरखनाथ दुग्ध उत्पादक संस्था से जुड़ी महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए खास तौर पर प्रेरित किया। सीएम योगी ने इसके लिए बुंदेलखंड की बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि 2019 में बुंदलेखंड जैसे सूखे क्षेत्र में बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी को सिर्फ पांच महिलाओं ने शुरू किया था। आज इसके 71 हजार शेयरहोल्डर हैं और इसके जरिये प्रतिदिन 2.5 लाख लीटर दूध का कलेक्शन होता है। इस कम्पनी ने 1225 करोड़ रुपये का टर्नओवर करके 24 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री बाबा गोरखनाथ मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी तो पूर्वांचल के हरियाली जैसे क्षेत्र में है। अभी इसके 12926 शेयरहोल्डर हैं और प्रतिदिन 33 हजार लीटर दूध का कलेक्शन हो रहा है। मेहनत करें, शेयरहोल्डर बढ़ाएं, लोगों को पशुपालन के लिए प्रेरित करें, गांव–गांव दुग्ध संग्रह समितियां बनाएं। ऐसा करेंगे तो श्री बाबा गोरखनाथ मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी का सामर्थ्य प्रतिदिन 3 लाख लीटर दूध के कलेक्शन का होगा।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर एनआरएलएम की मिशन निदेशक को निर्देशित किया कि श्री बाबा गोरखनाथ मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी से जुड़ी महिलाओं को बलिनी का दौरा कराकर प्रशिक्षण दिलाया जाए। उन्होंने कहा कि श्री बाबा गोरखनाथ मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी महिलाओं के स्वावलंबन की दिशा में अदभुत कार्य कर सकती है। सीएम ने बताया कि वाराणसी में गठित काशी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी में 30 हजार शेयरहोल्डर हैं तथा यहां प्रतिदिन 1 लाख लीटर दूध का कलेक्शन हो रहा है। इसके साथ ही आगरा की सामर्थ्य मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी 3 लाख लीटर दूध का संग्रह कर उत्कृष्ट कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्री बाबा गोरखनाथ मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी के अलावा गीडा में शुरू होने जा रही रेडीमेड गारमेंट की फ्लैटेड फैक्ट्री में भी महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगी। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं प्रशिक्षण लेकर फ्लैटेड फैक्ट्री में कपड़ा सिलाई का काम कर सकती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाएं उत्कृष्ट कार्य कर स्वावलंबन की नई कथा लिख रही हैं। उन्होंने कहा कि ड्रोन का प्रशिक्षण लेकर नमो ड्रोन दीदी खेतों में एक दिन में होने वाले कीटनाशक छिड़काव का काम एक घण्टे में कर दे रही हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 204 ब्लॉकों में पुष्टाहार का उत्पादन टेक होम राशन प्लांट लगाकर समूह की महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समूहों को और आगे बढ़ाने के लिए आज गोरखपुर मंडल में 186 ग्राम संगठनों को 1.39 करोड़ रुपये, 1146 समूहों को 3.44 करोड़ रुपये का रिवॉल्विंग फंड, 1530 समूहों को 22.95 करोड़ रुपये की सामुदायिक निवेश निधि, 3270 समूहों को 196 करोड़ रुपये की सीसीएल क्रेडिट लिंकेज, 557 ग्राम संगठनों को 8.34 करोड़ रुपये आपदा निवारण निधि, छह इंटीग्रेटेड फार्मिंग क्लस्टर को 30 लाख रुपये तथा प्रेरणा कैफे के लिए 8 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत और वितरित की गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि महिला भी सपना देखती है और उसके सपनों की हत्या नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महिलाओं के सपनों को हकीकत में बदलने के लिए हर तरह का प्रोत्साहन दे रहे हैं। वह आधी आबादी के सपनों में हकीकत का रंग भर रहे हैं। रविकिशन ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पीएम मोदी और सीएम योगी की प्राथमिकता है। मुफ्त आवास योजना हो, हर घर शौचालय या फिर स्वावलंबन की अनेक योजनाएं, सबके केंद्र में महिलाएं ही हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में आजीविका मिशन में साढ़े आठ लाख समूहों से प्रदेश की 96 लाख महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह पर हैं। 40 हजार महिलाएं बीसी सखी के रूप में तथा 24 हजार महिलाएं विद्युत सखियों के रूप में महत्वपूर्ण सेवा कार्य कर रही हैं। महिलाएं टेक होम राशन प्लांट चलाने के साथ राशन की दुकानों का भी सफल संचालन कर रही हैं। महिलाओं द्वारा संचालित बलिनी मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी की सफलता को देखकर सीएम योगी के निर्देश पर तीन अन्य दुग्ध कम्पनियों को स्थापित किया गया है। इस अवसर पर महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव, एमएलसी डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, विधायक विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, सरवन निषाद, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारू चौधरी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर सरकार की किया निंदा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील पर अधिवक्ताओं ने उप निबंधन कार्यालय के भवन निर्माण के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। संतकबीरनगर जिले के धनघटा तहसील पर उप निबंधन कार्यालय भवन के निर्माण को लेकर चल रहे धरना प्रदर्शन में अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। सरकार की निंदा करते हुए कहा कि हम लोगों के प्रदर्शन पर सरकार कोई ध्यान नहीं दे रही है जितनी निंदा की जाए वह कम है।

उप निबंधन कार्यालय के भवन का निर्माण दान की दी हुई भूमि में कराए जाने से आक्रोशित अधिवक्ता महीनों से धरना–प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन इस पर कोई अमल नहीं किया जा रहा है। जिसको लेकर अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया तथा सरकार की निंदा की।

अधिवक्ता लाल शरण सिंह व अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि नियम को ताख पर रखकर उप निबंधन कार्यालय का निर्माण करवाया जा रहा है। जिसकी अधिवक्ता निंदा करते हैं। इस मौके पर अरविंद सिंह, केशव पाठक, सविता त्रिपाठी, दिलीप राय, दिलीप त्रिपाठी सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

179 स्कूलों का हुआ निपुण आकलन, 90 प्रतिशत से अधिक मिले निपुण

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। जिले के 179 परिषदीय विद्यालयों का निपुण आकलन शनिवार को सम्पन्न हुआ। यह आकलन राज्य परियोजना कार्यालय के निर्देश पर डायट के डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा कराया गया। जिसमें 90 प्रतिशत से अधिक विद्यालय निपुण पाए गए। यह जानकारी देते हुए डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने बताया कि सरकार द्वारा निपुण भारत अभियान चलाया जा रहा है। विशेष जोर परिषदीय स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने पर है। इसके जरिए बच्चों को हिंदी एवं गणित में निपुण किया जा रहा है। बताया कि परिषदीय विद्यालयों के कक्षा एक और दो के बच्चों का ऑनलाइन ऐप के द्वारा आकलन किया गया है। जिसकी सूचना सीधे परियोजना कार्यालय को जा रही है। जो शेष विद्यालय हैं उनके आकलन की कार्यवाही परियोजना के द्वारा जो निर्देश प्राप्त होगा उसके अनुसार की जाएगी। निपुण भारत मिशन के नोडल प्रवक्ता अलीउद्दीन खान ने बताया कि जनपद के 13 ब्लॉकों के कुल 179 विद्यालयों का आकलन कराया गया है। जिसमें हरैया के 44, परशुरामपुर के 39, रामनगर के 19, दुबौलिया के 14, रुधौली के 12, बस्ती सदर के 11, गौर के 10, कुदरहा और बनकटी के 8, साऊँघाट के 7, विक्रमजोत के 4, कप्तानगंज के 2, सल्टौआ के 1 विद्यालय शामिल हैं। जिसमें अधिकांश विद्यालय निपुण पाए गए।

सपाइयों ने गृहमंत्री के खिलाफ किया प्रदर्शन

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में शनिवार को सपाइयों ने गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ मोर्चा खोल प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ताओं ने गृहमंत्री का पुतला भी फूंका। इसे लेकर पुलिस से झड़प हुई। सपाइयों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा और गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की।

सपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शनिवार को गृहमंत्री बाबा साहब के अपमान का आरोप लगाते हुए हाथ में संविधान और बाबा साहब की तस्वीर लेकर कलक्ट्रेट पहुँचे। सपाइयों ने जमकर प्रदर्शन किया और गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। सपाइयों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा और गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। इस दौरान सपा नेताओं ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने संसद में संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर का अपमान किया। इसे सपा कार्यकर्ता बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रदर्शन के दौरान सपाइयों ने कलक्ट्रेट गेट के बाहर गृहमंत्री अमित शाह का पुतला फूंका। जिसको लेकर पुलिस की सपाइयों से जमकर नोकझोंक हुई। मेंहदावल रोड पर कलक्ट्रेट मोड़ पर हंगामा होता रहा। इससे सड़क पर जाम लग गया।

एक ही जमीन को दो बार बेचने के आरोपित गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल पुलिस ने जमीन का फर्जी तरीके से बैनामा करने के दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपितों की पहचान कुशीनगर के कप्तानगंज थाना क्षेत्र के बोदरवार निवासी गोवर्धन निषाद व यहीं के पुल्लू उर्फ पुल्लुर निषाद के रूप में हुई। आरोपितों ने जमीन दिखाकर उसके बदले रुपये वसूल लिए। बाद में पता चला कि जमीन को पहले भी बेच चुके हैं। पुलिस केस दर्ज कर आरोपितों की तलाश कर रही थी। आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर शनिवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया।

भाषण में शशिकांत, काव्य पाठ में मानसी अव्वल

संवाददाता–गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर भाषण एवं एकल काव्यपाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता में शशिकान्त त्रिपाठी प्रथम, रामू मिश्र द्वितीय तथा तृप्ति सिंह तृतीय रहे। एकल काव्य पाठ में मानसी शुक्ला प्रथम, श्यामली जायसवाल द्वितीय, संघप्रिया एवं पल्लवी मिश्रा संयुक्त तृतीय रहीं। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी ने बताया कि विजेताओं को वसंत पंचमी पर प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। संयोजन प्रो. दिग्विजय नाथ मौर्य ने किया। इस अवसर पर प्रो. कमलेश गौतम, प्रो. रामप्यारे मिश्र, प्रो. ध्यानेन्द्र नारायण दूबे, डॉ. पद्मजा सिंह आदि मौजूद रहे।

चोरी की गाड़ी का नम्बर प्लेट बदल कर बेचा, पांच साल की सजा

संवाददाता–गोरखपुर। चुराई गई गाड़ियों का नम्बर प्लेट बदल कर उसे बेचने का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर जनपद न्यायाधीश पंकज श्रीवास्तव ने कैंट थाना क्षेत्र के शिवाला नगर मोहद्दीपुर निवासी अभियुक्त बजरंगी यादव उर्फ राजेश यादव को पांच साल के कठोर कारावास एवं 13 हजार रुपए अर्थदंड से दण्डित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्त को 15 माह का कारावास अलग से भुगतना होगा।

अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रविन्द्र यादव का कहना था कि वादी पवन कुमार श्रीवास्तव गीताप्रेस में कर्मचारी हैं। 9 जनवरी 2005 को अपनी मोटरसाइकिल गेट पर खड़ा कर वह काम करने चले गए, इसी बीच उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। विवेचना के दौरान पता चला कि अभियुक्त बजरंगी यादव उर्फ राजेश यादव ने मोटरसाइकिल चोरी की है। यह भी पता चला कि अभियुक्त चुराई हुई गाड़ियों को छिपाकर उसका नम्बर प्लेट बदलकर बेच देता है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद संं0–T202419140309964
न्यायालय–श्रीमान अपर उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
श्रीमती विन्दू यादव
बनाम
इस्माइल आदि

1. इस्माइल पुत्र अलीशेर 2. लाल मोहम्मद पुत्र रियासत 3. मो0 याकूब पुत्र मोहव्वत 4. कासिम अली पुत्र हिम्मत अली 5. माजिद अली पुत्र हिम्मत अली 6. मेहदी हसन पुत्र अजमत अली 7. सकील अहमद पुत्र अजमत अली 8. निसार अहमद पुत्र अजमत अली 9. शमशेर अहमद पुत्र अजमत अली 10. जन्नतुनिशा पुत्री अजमत अली सभी निवासीगण ग्राम प्रसादपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती 11. ग्राम पंचायत भौसिंहपुर जरिये ग्राम पंचायत भौसिंहपुर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 19 माह 12 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 185/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
श्रीमती सईदा खातून आदि
बनाम
फकरूल हसन आदि

1. फकरूल हसन उम्र 49 साल 2. महमूदुल हसन उम्र लगभग 37 साल पुत्रगण कमरूल हसन साकिनान मौजा जगरनाथपुर पो0 मंडफ तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 478/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
श्रीमती चन्द्रावती
बनाम
कनिकराम

1. कनिमराम उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र रामदास निवासी पकरी अव्वल पो0 मिश्रौलिया, भईया तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 17–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

फर्जी डिग्रीः जेल में बंद मास्टरमाइंड, अलाउद्दीन और राम पांडेय की तलाश, घर–परिवार के सदस्य भी लापता

संवाददाता–गोरखपुर। डॉक्टरों की फर्जी डिग्री बनाने के आरोपी प्रयागराज के राम पांडेय की अंतरिम सुरक्षा हाईकोर्ट ने वापस ले ली है। इसके बाद 25 हजार के इनामी कुशीनगर तमकुहीराज अलाउद्दीन के साथ ही राम पांडेय की एक बार गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तलाश शुरू कर दी। एसपी सिटी अभिनव त्यागी ने बताया है कि अलाउद्दीन की तलाश चल रही है। जल्द ही टीम राम पांडेय को पकड़ने प्रयागराज रवाना होगी। गिरोह का मास्टरमाइंड वाराणसी निवासी दीपक विश्वकर्मा को उसके दो साथियों के साथ पहले ही जेल भिजवा दिया गया है। दरअसल, 17 मई को डॉ. राहुल नायक की तहरीर पर अलाउद्दीन और राम पांडेय पर गुलरिहा थाने में केस दर्ज किया था। जांच आगे बढ़ी तो गुलरिहा पुलिस एक सितंबर को गाजीपुर जिले के भुडकुड़ा थाना क्षेत्र के पदुमपुर मैगर राय निवासी बृजेश लाल, वाराणसी के सारनाथ थाना क्षेत्र के दीनापुर चिरईगांव निवासी ओमप्रकाश गौतम और वाराणसी के चौबेपुर इलाके के बराई निवासी दीपक विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर जेल भिजवाया। कुशीनगर के 25 हजार के इनामी अलाउद्दीन को पकड़ने लगातार पुलिस टीम प्रयास कर रही है। अलाउद्दीन के खाते में पांच लाख रुपये डिग्री के लिए भेजे गए थे। इसका विवरण पुलिस को बैंक से मिल गया है। अलाउद्दीन का परिवार भी घर से फरार है। घर पर पुलिस टीम गई थी, वहां ताला लटका हुआ था। पुलिस का कहना है, कि इनाम बढ़ने के बाद से ही परिवार फरार हो गया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 202/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
श्रीमती बबिता पाल
बनाम
श्रीमती सोनिया

1. श्रीमती सोनिया उम्र लगभग 30 वर्ष पत्नी अजीत कुमार साकिन भिटरा तप्पा मनवरपारा परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादिनी

तारीख पेशी 03–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 167/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय खलीलाबाद बस्ती
जिला–बस्ती
श्रीमती किरन शुक्ला आदि
बनाम
सच्चिदानन्द शुक्ल आदि

1.सच्चिदानन्द शुक्ल 2. मनीष शुक्ल पुत्रगण राकेश कुमार शुक्ल 3. राकेश कुमार शुक्ल पुत्र ऋषी प्रसाद शुक्ल निवासीगण ग्राम वसौढी तप्पा डीही हाल मुकाम कृष्ण पाण्डेय गर्ल्स इन्टर कालेज परिसर बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 05–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0– 624/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती
जिला–बस्ती
रामदीन
बनाम
शिव प्रसाद आदि

1. शिव प्रसाद उम्र लगभग 60 साल पुत्र टिकोरी लाल साकिन कसैला तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 2. लक्ष्मीकान्त उम्र लगभग 62 साल पुत्र दयाराम साकिन वायपोखर तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बरसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

आवश्यक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी करम हुसेन पुत्र स्वर्गीय श्री हकीकुल्लाह निवासी सिसवारी पोस्ट–पुरैना तहसील भानपुर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरा पुत्र मोहम्मद हुसेन जिसकी शादी हो चुकी है उसका चाल चलन ठीक नहीं है। समझाने पर भी नहीं मानता। वह लोगों से रूपया उधार ले लेता है और देने वाले मुझे और मेरे परिवार को परेशान करते हैं। इससे पूरा परिवार परेशान है। अब मैं उसकी जिम्मेदारी निभाने में अक्षम हूं। 21–12–2024 से मैंने और मेरे परिवार ने उससे अपना सम्बन्ध विच्छेद कर लिया है। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ईमेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com